MANAGE BULLETIN

https://www.manage.gov.in/

March 2024

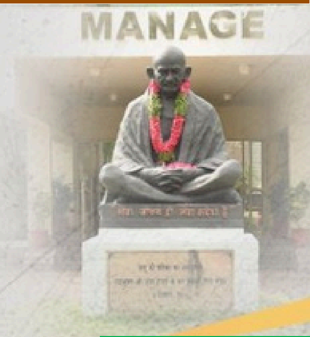


## राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)

**(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन)**

# मैनेज और मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी-एक्सटेंशन ने अफ्रीकी और एशियाई क्षेत्रों में कृषि विकास केंद्र का शुभारंभ किया

मैनेज और मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी-एक्सटेंशन (एमएसयू-एक्सटेंशन), यूएसए ने दिनांक 05 मार्च, 2024 को मैनेज, हैदराबाद में “अफ्रीकी और एशियाई क्षेत्रों में कृषि विकास केंद्र” का उद्घाटन किया।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज और डॉ. क्वेंटिन टायलर, निदेशक, एमएसयू-एक्सटेंशन ने इस केंद्र का उद्घाटन किया। मैनेज-एमएसयू केंद्र एशियाई और अफ्रीकी क्षेत्रों में कृषि विकास को बढ़ावा देने के लिए कृषि संस्थानों में क्षमता निर्माण, संयुक्त कार्य, नीतिगत सहयोग और साझेदारी कार्यों के लिए एक मंच के रूप में काम करेगा।

इस केंद्र के माध्यम से मैनेज और मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी - एक्सटेंशन (एमएसयू-एक्सटेंशन) अफ्रीकी और एशियाई क्षेत्र के विकासशील देशों में किसानों को सशक्त बनाने, कृषि

उद्यमिता, कृषि स्टार्टअप और कृषि विस्तार में नवाचारों के लिए अच्छी कृषि प्रथाओं को बढ़ावा देते हैं।

## महानिदेशक का संदेश

# मैनेज-मिशिगन यूनिवर्सिटी-एक्सटेंशन सेंटर का ऐतिहासिक शुभारंभ

मैं दिनांक 05 मार्च, 2024 को मैनेज, हैदराबाद में अफ्रीकी और एशियाई क्षेत्रों में कृषि विकास के लिए मैनेज - मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी-एक्सटेंशन सेंटर के ऐतिहासिक शुभारंभ से अभिभूत हूं। मैनेज - एमएसयू सेंटर, मैनेज और मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी-एक्सटेंशन (एमएसयू-एक्सटेंशन) की साझेदारी यात्रा की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मैं मैनेज में, मैनेज - एमएसयू सेंटर की स्थापना को मंजूरी देने के लिए मैनेज की कार्यकारी परिषद और कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार को धन्यवाद देता हूं। मैं मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी - एक्सटेंशन और उनके टीम के नेता को भी धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने मैनेज और एमएसयू-एक्सटेंशन के बीच एक केंद्र की स्थापना के माध्यम से साझेदारी को औपचारिक और संस्थागत बनाने के लिए लगातार प्रयास किया हैं जो एशियाई और अफ्रीकी क्षेत्रों के कई विकासशील देशों में मैनेज और एमएसयू -एक्स्टेंशन द्वारा सहयोगी कार्यों को और मजबूत करेगा।

मैनेज - एमएसयू केंद्र का उद्देश्य विकासशील देशों में सतत कृषि विकास और वैश्विक खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सबसे किफायती तरीके से सरकारों को क्षमता निर्माण, संस्थागत विकास और नीतिगत समर्थन प्रदान करना है। इस केंद्र के माध्यम से, मैनेज, अफ्रीका और एशियाई क्षेत्र के लिए एमएसयू-एक्स्टेंशन के एंकर संस्थान के रूप में कार्य करेगा ताकि क्षेत्र के विकासशील देशों की जरूरतों को पूरा किया जा सके। मैनेज आवश्यक बुनियादी ढांचा प्रदान करेगा और अपने संकाय संसाधनों को साझा करेगा। जबकि, एमएसयू-एक्सटेंशन अपने कम से कम दो विशेषज्ञों को केंद्र में रखेगा, जो संकाय विनिमय कार्यक्रम, आवश्यकता-आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम, नीति निर्माताओं के लिए एक्सपोजर दौरे, उच्च-स्तरीय नीति संवाद, नीति समर्थन, अनुसंधान परियोजनाएं, परामर्श गतिविधियां और अफ्रीकी और एशियाई क्षेत्र में विकासशील देशों में कृषि क्षेत्र को बदलने वाले उन्नत क्षेत्रों में प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण जैसी संयुक्त गतिविधियों को अंजाम देंगे। मुझे विश्वास है कि मैनेज - एमएसयू केंद्र जल्द ही अफ्रीका और एशियाई क्षेत्र में कृषि विस्तार को मजबूत करने और छोटे किसानों की चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक सक्रिय मंच के रूप में कार्य करेगा।

**डॉ. पी. चंद्रा शेखरा**
**महानिदेशक , मैनेज**

## इस अंक में.......


- मैनेज और एमएसयू ने अफ्रीकी और एशियाई क्षेत्रों में कृषि विकास के लिए केंद्र की शुरुआत की — 1&3
- महानिदेशक का संदेश — 2
- मैनेज और एमएसयू अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन : ‘कृषि विस्तार में तेजी लाने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण’ — 4-5
- मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी-एक्सटेंशन टीम ने कट्टंगुर किसान उत्पादक कंपनी का दौरा किया — 6
- मैनेज में एमएसयू टीम की यादें — 7
- आईटीईसी अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम: वैश्विक कुपोषण को दूर करने के लिए पोषण संवेदनशील कृषि — 8-9
- कृषि-स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना — 10-11
- प्राकृतिक खेती पर प्रशिक्षण-सह-प्रदर्शन दौरा — 12
- पोर्टल और कार्यक्रम शुरू किए गए — 13
- मैनेज में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2024 मनाया गया — 14
- रामधारी सिंह दिनकर जी द्वारा रचित ‘रश्मिरथी’ खंड काव्य की पुस्तक समीक्षा प्रतियोगिता — 15
- प्राकृतिक खेती पर मास्टर प्रशिक्षकों ने आईसीएआर-सीआरआईडीए का दौरा किया — 16
- कृषि विस्तार प्रबंधन पर मैनेज जर्नल का विमोचन — 16
- नव नियुक्ति — 16

# मैनेज और मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी-एक्सटेंशन ने अफ्रीकी और एशियाई क्षेत्रों में कृषि विकास के लिए केंद्र की शुरुआत की

मैनेज और मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी की साझेदारी यात्रा में मैनेज एमएसयू केंद्र एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने कहा कि इस केंद्र की परिकल्पना विकासशील देशों के छोटे किसानों की चुनौतियों को वैश्विक विशेषता के साथ संबोधित करने के लिए की गई है।

डॉ. करीम मरेडिया, निदेशक, अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम, कृषि एवं प्राकृतिक संसाधन महाविद्यालय, एमएसयू ने कहा कि, "यह केंद्र दुनिया के कई विकासशील देशों में वैश्विक अच्छी प्रथाओं को फैलाने में एक महत्वपूर्ण गेम चेंजर साबित होगा।"

डॉ. क्वेंटिन टायलर, निदेशक, एमएसयू-एक्सटेंशन ने कहा कि, "यह केंद्र कृषि चुनौतियों का समाधान करने और वैश्विक स्तर पर खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मैनेज और एमएसयू की साझेदारी में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।"

इस कार्यक्रम में मैनेज के सभी संकाय सदस्यों, कर्मचारी और मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी की उपस्थिति रही।

डॉ. श्रीनिवासाचार्युलु अत्तालूरी, उप निदेशक (ज्ञान प्रबंधन), मैनेज ने कार्यक्रम का समन्वयन किया।

## मैनेज और एमएसयू-एक्सटेंशन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

# कृषि विस्तार में तेजी लाने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण

मैनेज और मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी (एमएसयू)-एक्सटेंशन ने संयुक्त रूप से दिनांक 4 से 6 मार्च, 2024 तक 'कृषि विस्तार में तेजी लाने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण' पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज और डॉ. क्वेंटिन टायलर, निदेशक, एमएसयू-एक्सटेंशन ने डॉ. करीम मरेडिया, निदेशक, अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम, कृषि और प्राकृतिक संसाधन महाविद्यालय, एमएसयू, मैनेज संकाय और एमएसयू-एक्सटेंशन के साथ सम्मेलन का उद्घाटन किया।

इस सम्मेलन में दुनिया भर में कृषि विस्तार को प्रभावित करने वाले बहुआयामी पहलुओं पर चर्चा की गई। मैनेज और एमएसयू एक्सटेंशन के संकाय सदस्यों ने तकनीकी सत्रों में अपने-अपने अनुभव को साझा किया, पैनल चर्चाओं, समूह कार्यों में भाग लिया और भविष्य के सहयोग के क्षेत्रों का विमोचन किया।

## मैनेज और एमएसयू-एक्सटेंशन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

# कृषि विस्तार में तेजी लाने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण

उद्घाटन समारोह के बाद, कृषि विस्तार में तेजी लाने, कृषि स्टार्टअप, कृषि उत्पादन एफपीओ का आकलन, विशेष प्रमाणित विस्तारक, इनपुट डीलरों को शिक्षित करने, 4-एच कार्यक्रम, डिजिटल कृषि, मधुमक्खी पालन, कृषि में ऑनलाइन शिक्षा, कृषि उद्यमिता और विस्तार सेवाओं के लिए जिला स्तरीय रणनीतियों में मैनेज और एमएसयू एक्सटेंशन दृष्टिकोण पर प्रस्तुतियाँ और आकर्षक चर्चाएँ हुईं। खुली चर्चा से गहन अंतर्दृष्टि प्राप्त हुई।

इस सम्मेलन का महत्वपूर्ण परिणाम यह रहा कि मैनेज और एमएसयू के संकाय सदस्यों ने समूह कार्य के माध्यम से सहयोगात्मक कार्रवाई के लिए क्षेत्रों की पहचान की, जिसमें प्रमाणित कृषि तनाव सलाहकार कार्यक्रम की शुरूआत, देश में युवाओं के लिए 4-एच अवधारणा को अपनाना, प्राकृतिक खेती में मधुमक्खी पालन के लिए क्षमता निर्माण, कृषि संस्थानों और सामुदायिक पोषण को हरित बनाना, एफपीओ, कृषि-गोदाम और कृषि व्यवसाय पर शिक्षण मॉड्यूल तैयार करना शामिल हैं।

मैनेज और एमएसयू तिमाही वेबिनार, संयुक्त प्रकाशन, पायलट प्रोजेक्ट, कृषि उद्यमिता के लिए नीति सहयोग और विकासशील देशों के लिए परियोजनाओं का डिजाइन तैयार करेंगे।

एमएसयू एक्सटेंशन टीम के नौ सदस्यों, मैनेज संकाय सदस्यों के साथ-साथ कृषि स्टार्टअप, एसी एंड एबीसी, देसी और एसटीआरवाई योजनाओं के हितधारकों सहित 45 से अधिक प्रतिभागियों ने सम्मेलन में भाग लिया और अनुभव साझा करके कार्यवाही को समृद्ध किया।

इस सम्मेलन में मैनेज में "मैनेज – अफ्रीकी और एशियाई क्षेत्रों में कृषि विकास के लिए एमएसयू केंद्र" के शुभारंभ के साथ एक नई शुरुआत की गई।

डॉ. श्रीनिवासाचार्युलु अत्तालूरी, उप निदेशक (ज्ञान प्रबंधन), मैनेज ने सम्मेलन का समन्वयन किया।

## मैनेज और एमएसयू-एक्सटेंशन संकाय द्वारा समूह कार्य

## मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी - विस्तार टीम का दौरा

# कट्टंगुर किसान उत्पादक कंपनी

कृषि विस्तार में तेजी लाने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण पर मैनेज मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी (एमएसयू) अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - के तहत एक अध्ययन यात्रा के हिस्से के रूप में, मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी की टीम ने तेलंगाना के नलगोंडा जिले में कट्टंगुर किसान उत्पादन कंपनी (केएफपीसी) का दौरा किया है।

टीम ने कट्टंगुर किसान उत्पादन कंपनी (केएफपीसी) के नेतृत्व, किसानों, बागवानी विभाग, कृषि, नाबार्ड के अधिकारियों और कोरोमंडल और इफको जैसी इनपुट कंपनियों के अलावा केएफपीसी के कई सेवा प्रदाताओं के साथ बातचीत की।

एमएसयू टीम के सदस्यों ने महिला किसानों के साथ बातचीत की, इनपुट शॉप, सोलर ड्रायर यूनिट, कस्टम हायरिंग सेंटर, ड्रोन सेवा, मृदा परीक्षण और मौसम पूर्वानुमान सेवाओं, कोल्ड वेयरहाउस, प्रसंस्करण इकाइयों और कट्टंगुर किसान उत्पादन कंपनी (केएफपीसी) की अन्य सुविधाओं का दौरा किया।

डॉ. क्वेंटिन टायलर, निदेशक, मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी एक्सटेंशन ने अपने संबोधन में कहा कि कट्टंगुर किसान उत्पादन कंपनी (केएफपीसी) कई विकासशील देशों में छोटे और सीमांत किसानों के लिए एक आदर्श मॉडल है"।

एमएसयू टीम ने प्रत्यक्ष बाजार प्रणाली को समझने और किसान विक्रेताओं के साथ बातचीत करने के लिए सरूरनगर रायथू बाजार का भी दौरा किया।

डॉ. श्रीनिवासाचार्युलु अत्तालूरी, उप निदेशक (ज्ञान प्रबंधन) और डॉ. वहीदा मुनव्वर, कार्यक्रम सहायक, मैनेज ने इस दौरे का समन्वयन किया।

# मैनेज में मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी-एक्सटेंशन टीम की यादें

एमएसयू-एक्सटेंशन टीम ने दिनांक 4 से 6 मार्च, 2024 के दौरान "कृषि विस्तार में तेजी लाने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण" पर तीन दिवसीय मैनेज-एमएसयू संयुक्त सम्मेलन में भाग लेते हुए मैनेज परिसर में एक यादगार समय बिताया।

उन्होंने सांस्कृतिक संध्या में कलाकारों द्वारा प्रस्तुत तेलंगाना के शास्त्रीय नृत्य - पेरीनी नृत्य - के शानदार प्रदर्शन का आनंद लिया, मैनेज के सोलर हाइब्रिड संयंत्र का दौरा किया, तथा मैनेज में आईटीईसी अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ले रहे 22 देशों के 30 प्रतिनिधियों के साथ मैनेज में अपने दौरे की याद बनाने के लिए बड़े उत्साह के साथ मैनेज परिसर में पौधे लगाए।

### अंतर्राष्ट्रीय भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

# वैश्विक कुपोषण से निपटने के लिए पोषण संवेदनशील कृषि

मैनेज ने दिनांक 06 मार्च, 2024 को विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से 'वैश्विक कुपोषण को संबोधित करने के लिए पोषण संवेदनशील कृषि' पर 15 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

इस कार्यक्रम में 22 देशों से कुल 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें नेपाल, लेबनान, मोजाम्बिक, तंजानिया, ट्यूनीशिया, लेबनान, घाना, दक्षिण सूडान, तुर्की, बांग्लादेश, श्रीलंका, लाओस, वियतनाम, नाइजीरिया, इरिट्रिया, उज्बेकिस्तान, भूटान, मलावी, इथोपिया, होंडुरास, सीरिया, अर्जेंटीना और ताजिकिस्तान शामिल हैं।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज, विशेष अतिथि डॉ. क्वेंटिन टायलर, निदेशक, एमएसयू-एक्सटेंश, डॉ. करीम मरेडिया, अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम के निदेशक, एमएसयू के साथ कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने अपने उद्घाटन भाषण में विकासशील देशों में बहुआयामी गरीबी और खाद्य सुरक्षा की समस्या का समाधान करने के लिए पोषण-संवेदनशील कृषि को मुख्यधारा में लाने की आवश्यकता पर बल दिया।

डॉ. करीम मरेडिया, अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम निदेशक, एमएसयू ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने, ज्ञान का आदान-प्रदान करने और उससे ज्ञान प्राप्त करने पर बल दिया।

डॉ. क्वेंटिन टायलर, निदेशक, एमएसयू-एक्सटेंशन ने कहा कि ज्ञान और अच्छे तरीकों के आदान-प्रदान के माध्यम से सभी के ठोस प्रयासों से वैश्विक कुपोषण का मुकाबला किया जा सकता है।

डॉ. विनीता कुमारी, उप निदेशक (जेंडर स्टडीस), मैनेज ने कार्यक्रम का समन्वयन किया।

समापन कार्यक्रम: आईटीईसी अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

# वैश्विक कुपोषण से निपटने के लिए पोषण संवेदनशील कृषि

विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समर्थित, वैश्विक कुपोषण को दूर करने के लिए पोषण संवेदनशील कृषि पर 14 दिवसीय 'भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी)' अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 19 मार्च, 2024 को संपन्न हुआ।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज, विशेष अतिथि श्री कोंडा रेड्डी चाव्वा, सहायक, एफएओ प्रतिनिधि, भारत और श्री विनय सिंह, खाद्य सुरक्षा और पोषण विशेषज्ञ, यूएन-एफएओ भारत, ने समापन कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने अपने समापन भाषण में कहा कि मात्र उत्पादन-आधारित दृष्टिकोण से पोषण सुरक्षा सुनिश्चित नहीं होगी तथा उन्होंने प्रतिभागियों से पोषण सुरक्षा के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए नेतृत्व करने का आग्रह किया।

श्री कोंडा रेड्डी चाव्वा ने सुझाव दिया कि पोषणयुक्त खाद्य पदार्थों की मांग को बढ़ाने तथा उनका उत्पादन बढ़ाने के लिए किसानों को प्रोत्साहन देना आवश्यक है। श्री विनय सिंह ने पोषण सुरक्षा के बारे में परिवार तथा समाज में निर्णयकर्ताओं के बीच जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। शाम को एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें सभी 22 प्रतिनिधियों ने अपने देश का प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी प्रस्तुतियाँ दीं।

डॉ. विनीता कुमारी, उप निदेशक (जेंडर स्टडीस), मैनेज ने कार्यक्रम का समन्वयन किया।

# कृषि-स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना

## आरकेवीवाई-रफ़्तार: कोहोर्ट-10 प्रशिक्षण कार्यक्रम

मैनेज ने दिनांक 22 से 30 मार्च, 2024 के दौरान आरकेवीवाई-रफ्तार के तहत कोहोर्ट 10 प्री-सीड और सीड स्टेज प्रतिभागियों के लिए 9 दिवसीय स्टार्ट-अप एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन प्रोग्राम (एसएआईपी) और एग्रीप्रेन्योरशिप ओरिएंटेशन प्रोग्राम (एओपी) का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में विभिन्न स्टार्टअप के कुल 42 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में आमने-सामने सलाह, व्यवसाय मॉडलिंग और व्यवसाय योजना विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसमें स्टार्टअप के लिए बाजार अनुसंधान और सर्वेक्षण, मशीनीकृत स्मार्ट खेती में नवाचार, स्टार्टअप के नेतृत्व में कृषि में आपूर्ति श्रृंखला नवाचार और खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए नवाचार शामिल थे।

यह कोहोर्ट 10 कार्यक्रम दो चरणों में आयोजित किया जाएगा। पहला चरण ऑनलाइन मोड के माध्यम से तथा दूसरा चरण ऑफलाइन मोड के माध्यम से आयोजित किया जाएगा।

डॉ. सरवणन राज, निदेशक (कृषि विस्तार), मैनेज एवं सीईओ, सेंटर फॉर इनोवेशन एंड एग्रीप्रेन्योरशिप, मैनेज ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के निदेशक के रूप में कार्य किया।

## कृषि-स्टार्टअप पर राष्ट्रीय सम्मेलन

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान, कोहोर्ट 10 के हिस्से के रूप में, मैनेज ने दिनांक 26 से 28 मार्च, 2024 को आचार्य एन. जी. रंगा कृषि विश्वविद्यालय, केरला कृषि विश्वविद्यालय, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय और आईसीएआर-आईआईएमआर की साझेदारी में "कृषि-स्टार्टअप: प्रभाव के लिए नवाचार" पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी की। इस अवसर पर विशेष अतिथि डॉ. के. पी. सुधीर, पीआई, आरकेवीवाई-रफ़्तार, केरला कृषि विश्वविद्यालय, डॉ. ई. सोमसुंदरम, पीआई, आरकेवीवाई-रफ़्तार, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, श्री ए. वी. ज्ञानसंबंदम, ईडी और सीईओ, एबीआईएस-टीबीआई, टीएनएयू ने अवसर की शोभा बढ़ाई।

डॉ. सरवणन राज, निदेशक (कृषि विस्तार), मैनेज और मैनेज-सीआईए के सीईओ ने सम्मेलन का अवलोकन प्रस्तुत किया और कहा कि कृषि में नवाचारों और प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने में स्टार्टअप महत्वपूर्ण भूमिका निभाता हैं।

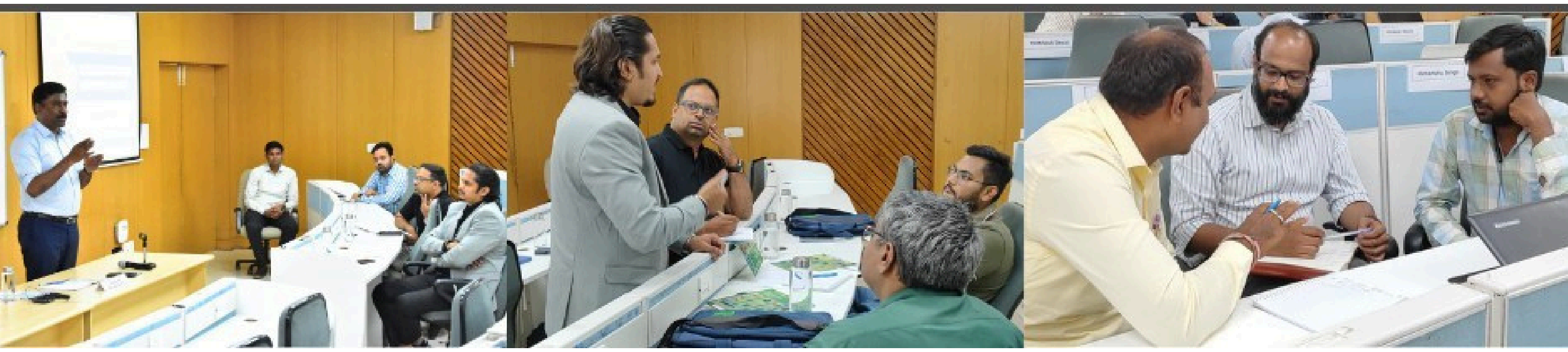

# कृषि-स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना

श्री ए वी ज्ञानसंबंदम ने अपने इनक्यूबेशन सेंटर के बारे में जानकारी साझा की, जिसमें बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर), फंडिंग, डीपीआईआईटी पंजीकरण और बाजार कनेक्शन जैसे प्रमुख घटकों पर प्रकाश डाला गया। डॉ. ई सोमसुंदरम ने नए स्टार्टअप के लिए निष्ठा, नैतिकता और जिम्मेदारी के महत्व पर जोर दिया।

डॉ. के.पी. सुधीर ने स्टार्टअप की भूमिका पर चर्चा की और उन्हें सहायता देने के लिए उपलब्ध विभिन्न योजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि किसान परिवार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता किसी भी स्टार्टअप के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इस सम्मेलन में स्टार्टअप, शोधकर्ता और छात्रों सहित 50 से अधिक प्रतिभागी मौजूद थे।

## निवेश बैठक

मैनेज ने कृषि-स्टार्टअप इकोसिस्टम में फंडिंग के विभिन्न पहलुओं के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से एक निवेश बैठक भी आयोजित की है, जिसमें वीसी फंडिंग, वेंचर कैपिटल द्वारा ऋण फंडिंग और बैंकिंग सिस्टम से नए युग के अवसर शामिल हैं। इस बैठक में मैनेज और आर-एबीआई के 35 स्टार्टअप शामिल थे।

इस बैठक में श्री एमाउएल मरे, निवेश निदेशक, कैस्पियन वेंचर्स ने विकास के चरण में स्टार्टअप्स के लिए ऋण वित्तपोषण की भूमिका के बारे में बात की और बताया कि स्टार्टअप्स को इस क्षेत्र में विभिन्न वित्तपोषण अवसरों का मूल्यांकन कैसे करना चाहिए। उन्होंने वीसी फंडिंग बनाम ऋण फंडिंग पर भी सुझाव दिया।

श्री विशाल, उपाध्यक्ष, अंकुर कैपिटल ने बताया कि फंडिंग के लिए प्रस्तावों की तलाश करते समय वीसी स्टार्टअप में क्या देखते हैं। इसके अलावा उन्होंने पहले से निवेशित कृषि क्षेत्र के स्टार्टअप पर जोर दिया।

श्री शैली वार्ष्णेय, मुख्य प्रबंधक, इंडियन बैंक ने स्टार्टअप के लिए इंडियन बैंक की पहल के बारे में जानकारी साझा की।

यह विदाई कार्यक्रम कोहॉर्ट की उपलब्धियों का जश्न मनाने का एक महत्वपूर्ण अवसर रहा। एग्री स्टार्टअप के संस्थापकों ने मैनेज मेंटरिंग की अपनी उल्लेखनीय यात्रा को साझा किया। इस कार्यक्रम में देश भर से अग्रणी एग्रीटेक स्टार्टअप संस्थापकों, पारिस्थितिकी तंत्र समर्थक और शोधकर्ता एक जुट हुए।

डॉ. सरवणन राज, निदेशक (कृषि विस्तार), मैनेज एवं सीईओ, मैनेज-सीआईएए ने कार्यक्रम का समन्वयन किया।

# प्राकृतिक खेती पर प्रशिक्षण-सह-प्रदर्शन दौरा

मैनेज ने दिनांक 11 से 15 मार्च, 2024 के दौरान विभिन्न राज्यों के केवीके वैज्ञानिकों और विस्तार कार्यकर्ताओं के लिए मास्टर प्रशिक्षकों के लिए प्राकृतिक खेती पर 5 दिवसीय प्रशिक्षण-सह-एक्सपोजर विजिट कार्यक्रम का आयोजन किया।

इसके साथ ही, कार्यक्रम को तीन अलग-अलग स्थानों पर जैसे हैदराबाद में मैनेज, आनंद में ईईआई और हिमाचल प्रदेश में समेति में एक साथ तीन बैचों में आयोजित किया गया। डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने कार्यक्रमों का उद्घाटन किया।

प्रशिक्षित मास्टर प्रशिक्षक बाद में अपने-अपने राज्यों में प्राकृतिक खेती से संबंधित क्षमता निर्माण की पहल में शामिल होंगे।

# पोर्टल और कार्यक्रम का शुभारंभ

## मृदा स्वास्थ्य, उर्वरक गुणवत्ता और प्राकृतिक खेती के लिए कृषि सखियाँ

दिनांक 7 मार्च, 2024 को माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री अर्जुन मुंडा और माननीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने कृषि भवन, नई दिल्ली में संयुक्त रूप से चार प्रमुख पहलों का उद्घाटन किया। इन पहलों में मृदा स्वास्थ्य कार्ड पोर्टल और मोबाइल एप्लीकेशन, स्कूल मृदा स्वास्थ्य कार्यक्रम, कृषि सखी अभिसरण कार्यक्रम और उर्वरक नमूना परीक्षण के लिए केंद्रीय उर्वरक गुणवत्ता नियंत्रण एवं प्रशिक्षण संस्थान (सीएफक्यूसीटीआई) का पोर्टल शामिल हैं।

अपने संबोधन में श्री अर्जुन मुंडा ने मृदा स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में छात्रों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि स्कूल मृदा स्वास्थ्य कार्यक्रम छात्रों को मृदा और पर्यावरण के महत्व को समझने में मदद करने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। इस कार्यक्रम के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित कुछ केंद्रीय और नवोदय विद्यालयों में मृदा प्रयोगशालाएँ स्थापित की गई हैं। छात्रों और शिक्षकों को अपने गाँवों और कृषि क्षेत्र के विकास में भाग लेने के लिए प्रशिक्षित किया गया है।

श्री गिरिराज सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि कृषि सखी प्रशिक्षण कार्यक्रम को कृषि सखियों को पैरा-एक्सटेंशन वर्कर के रूप में प्रमाणित करने के लिए एक संयुक्त पहल के रूप में शुरू किया गया है। उन्होंने किसानों को टिकाऊ कृषि पद्धतियों के बारे में जागरूक करने में कृषि सखियों की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वे खेती को लाभ पहुँचाएँगी, समाज में इसकी विश्वसनीयता बढ़ाएँगी और किसानों का आत्मविश्वास बढ़ाएँगी।

उन्होंने सभी मानवता की भलाई के लिए जैविक और प्राकृतिक खेती के तरीकों के उपयोग की भी सलाह दी। इस कार्यक्रम का समापन प्रशिक्षित कृषि सखियों को प्रमाण पत्र वितरित करने के साथ हुआ।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज, डॉ. एन. बालासुब्रमणि, निदेशक, सीसीए, मैनेज, प्राकृतिक खेती टीम के साथ वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल हुए।

मैनेज प्राकृतिक खेती पर कृषि सखियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वय कर रहा है और देश में कृषि सखियों को प्रमाणित कर रहा है। इस पहल को सभी हितधारकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है और अब इसका लक्ष्य 70,000 कृषि सखियों को शामिल करना है ताकि उन्हें प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए पैरा-एक्सटेंशन वर्कर में बदला जा सके।

# मैनेज ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2024 मनाया

दिनांक 08 मार्च, 2024 को मैनेज ने "महिलाओं में निवेश: प्रगति में तेजी" थीम के तहत अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2024 को हर्षोल्लास के साथ मनाया। मैनेज के कर्मचारी, विशेष रूप से सभी महिलाएँ, और 22 देशों के 30 कार्यकारी अधिकारी, जो 'वैश्विक कुपोषण को संबोधित करने के लिए पोषण-संवेदनशील कृषि' पर आईटीईसी प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ले रहे थे, ने कार्यक्रम में भाग लिया।

इस अवसर पर डॉ. सलोमी येसुदास, स्वतंत्र पोषण विशेषज्ञ ने महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने उन महिलाओं के प्रयासों को याद किया जिन्होंने महिला अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी और अभी भी दबी-कुचली महिलाओं को सशक्त बनाने का समर्थन कर रही है।

डॉ. के.सी. गुम्मागोलमथ, निदेशक (एम एंड ई) मैनेज ने समकालीन समाज में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर संक्षेप में प्रकाश डाला और उनके महत्व को रेखांकित किया।

डॉ. पी. कनक दुर्गा, सहायक निदेशक, मैनेज ने महिला नेतृत्व, लैंगिक समानता, महिलाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और महिला स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डाला। इस शुभ दिन को केक काटकर और एक मजेदार गतिविधि के साथ मनाया गया, जिसमें महिला प्रतिभागियों ने विभिन्न प्रदर्शन किए और सभी का मनोरंजन किया।

डॉ. विनीता कुमारी, उप निदेशक (जेंडर स्टडीस), मैनेज ने कार्यक्रम का समन्वयन किया।

## रामधारी सिंह 'दिनकर' जी द्वारा रचित “रश्मिरथी” खंडकाव्य की पुस्तक समीक्षा प्रतियोगिता

दिनाक 14 मार्च, 2024 को राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज), राजेन्द्रनगर,, हैदराबाद में नराकास-4 की ओर से राष्ट्र कवि दिनकर जी द्वारा रचित ‘रश्मिरथी’ खंडकाव्य की पुस्तक समीक्षा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न कार्यालयों से आए हुए 24 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस पुस्तक समीक्षा प्रतियोगिता को आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य नराकास-4 के सदस्य कार्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों में हिन्दी साहित्य के प्रति रुचि जगाना साथ ही पुस्तके पढ़ने को प्रोत्साहित करना था।

इस कार्यक्रम में दक्षिण मध्य रेल्वे, परमाणु खनिज निदेशालय, प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, ग्रुप केंद्र, रंगारेड्डी और केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, दक्षिण सेक्टार, जुबिलीहिल्स, हैदराबाद विश्वविद्यालय और मैनेज के टीमों ने भाग लिया। डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने इस साहित्यिक प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु सभी प्रतिभागियों की सराहना की। उन्होनें कहा कि ऐसे कार्यक्रम भाषा शिखने के माध्यम बनते है।

डॉ. शैलेन्द्र, निदेशक, मैनेज, श्री श्रीधर खिस्ते, उपनिदेशक व राजभाषा अधिकारी, मैनेज, श्री सतीश कुमार, उपनिदेशक (राजभाषा), एएमडी, श्रीमती ममता रानी साहू, उपनिदेशक (राजभाषा), प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त कार्यालय इस प्रतियोगिता के न्यायनिर्णेता रहें। इस कार्यक्रम का संयोजन डॉ. के. श्रीवल्ली, सहायक निदेशक (राजभाषा), मैनेज ने किया।

इस कार्यक्रम का समापन करते हुए डॉ. के. श्रीवल्ली, सहायक निदेशक (राजभाषा), ने सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया और हिन्दी कार्यक्रमों में भाग लेने हेतु अपने कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए सभी कार्यालय प्रमुखों को विशेष धन्यवाद दिया।

## प्राकृतिक खेती के मास्टर ट्रेनरों ने आईसीएआर-सीआरआईडीए का दौरा किया

मैनेज ने दिनांक 01 मार्च, 2024 को आईसीएआर-केंद्रीय शुष्कभूमि कृषि अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-सीआरआईडीए), हैदराबाद में प्राकृतिक खेती पर मास्टर ट्रेनरों के लिए एक एक्सपोजर विजिट और व्यावहारिक अनुभव सत्र का आयोजन किया। कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों अनुसंधान संस्थान (एटीआरआई), हैदराबाद द्वारा नामित कुल 35 मास्टर प्रशिक्षकों ने मैनेज में प्राकृतिक खेती पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण सह एक्सपोजर विजिट में भाग लिया।

आईसीएआर-सीआरआईडीए के डॉ. पुष्पांजलि, डॉ. जी श्रीकृष्ण और डॉ. सुधीर ने प्राकृतिक खेती में की गई शोध गतिविधियों के बारे में बताया। यह एक समृद्ध यात्रा थी, जिसने मिट्टी के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में प्राकृतिक खेती की भूमिका पर मास्टर ट्रेनरों के ज्ञान को बढ़ाया।

### कृषि विस्तार प्रबंध पर मैनेज जर्नल का विमोचन

जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन मैनेजमेंट (जेएईएम), वॉल्यूम 24, जुलाई-दिसंबर, 2023 का अंक 2 फरवरी, 2024 में जारी किया गया। यह अंक “शहरी और उपनगरीय कृषि: अच्छे अभ्यास और नवाचार” विषय पर केंद्रित है। इसमें इस विषय पर 10 चुनिंदा शोध लेख हैं।

संपूर्ण जर्नल यहां से निःशुल्क डाउनलोड किया जा सकता है:
https://www.manage.gov.in/publications/journal/jul-dec2023.pdf

### नव नियुक्ति

श्री शिवरात्रि अनिल कुमार ने दिनांक 6 मार्च, 2024 को मैनेज में ईडीपी सहायक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। इस भूमिका से पहले, उन्होंने इंफोसिस, हैदराबाद में सिस्टम इंजीनियर के रूप में काम किया। उन्होंने आर.वी.आर. और जे.सी. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, गुंटूर, आंध्र प्रदेश से इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग में बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी और डॉ.बी.आर. अंबेडकर ओपेन यूनिवर्सिटी (बीआरएओयू), हैदराबाद से लाइब्रेरी और सूचना विज्ञान (बीएलआईएससी) में बैचलर डिग्री पूरी की।

## संपादकीय टीम

### मैनेज बुलेटिन का प्रकाशित किया जाता है

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा
महानिदेशक
राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)
(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन)
राजेंद्रनगर, हैदराबाद -500030, भारत

वेबसाईट : www.manage.gov.in

**मुख्य संपादक**
**डॉ. पी. चंद्रा शेखरा**
महानिदेशक, मैनेज

**संपादक**
डॉ. श्रीनिवासाचार्युलु अत्तालूरी
उप निदेशक (ज्ञान प्रबंधन), मैनेज

**सहायक संपादक**
कृष्णा दाभोलकर
आउटरीच विशेषज्ञ, मैनेज

**हिन्दी अनुवाद**
सुश्री पुजा दास
वरिष्ठ अनुवादक, मैनेज